सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक, ग्वालियर

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के फेस–3 अंतर्गत ग्वालिया मेडिकल कॉलेज की में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना हो रही हैं। कई सालों से ग्वालियर चिकित्सा महाविद्यालय आस–पास के क्षेत्रों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रहा हैं। अब इस चिकित्सा महाविद्यालय मे सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना हो रही हैं।

चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक में न्यूरोलॉजी विभाग, गेस्ट्रो सर्जरी, न्यूनेटोलॉजी, पीडियाट्रिक सर्जरी एवं यूरोलॉजी विभाग होगें। मध्य प्रदेश में पहली बार शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध अस्पताल में मोटापे को घटाने की ऑपरेशन बैरीयाट्रिक सर्जरी एवं रोबोट सर्जरी भी यहां की जायेगी।

रोबोट सर्जरी के द्वारा जटिल बिमारियाँ जैसे रोबोट एसिसटेड पारश्यिल नेफरेक्ट्रॉमी फॉर किडनी ट्यूमरस्, रोबोट पायलोप्लास्टी, रोबोट एसिसटेड रेडिकल प्रोस्टेटॉकट्मी, रोबोट एसिसटेड रिपेयर ऑफ वेसिकोवेजाइनल फिस्ट्युला इत्यादि के ऑपरेशन किये जावेंगे। गेस्ट्रो सर्जरी विभाग द्वारा बैरीयाट्रिक सर्जरी के अलावा लीवर रिसेक्शन का ऑपरेशन भी यहाँ किया जायेगा। सुपरस्पेशलिटी विभाग में अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से उच्च शिक्षित डाक्टरों द्वारा वे सभी सुविधाऐं उपलब्ध करायी जावेंगी जो किसी भी बड़े अस्पताल में होनी चाहिए।

यूरोलॉजी विभाग द्वारा बिना ऑपरेशन गुर्दे की पत्थरी को तोड़कर निकलने की सुविधा, दूरबीन द्वारा बीना चीरे के गुर्दे की पथरी को निकालने के ऑपरेशन यहाँ पर हो पायेगें। न्यूनेटोलॉजी एवं पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के द्वारा जन्म जात विकार जैसे ट्रैकियो–ओयसोफेगल फिस्ट्युला, कॉनजानाइट्ल डायाफ्रैगमेट्रिक हर्निया आदि को ठीक करने वाले ऑपरेशन किये जायेगें। नवजात शिशु में पैथोलॉजीकल हाइपर बिलीरूबिनेमिया (खून में सामान्य से अधिक बिलीरूबिन की मात्रा) को ठीक करने हेतु एक्सचेंज ट्रांसफियुज़न की सुविधा मौजूद होगी। अभी तक इन सारी जटिल बीमारियों के इलाज की सुविधा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर में नहीं थी।

मेडिकल कॉलेज ग्वालियर में रू. 150 करोड़ रूपये की लागत से इस सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण किया जा रहा हैं । इसमें व्यय होने वाली राशि रू. 120 करोड़ रूपये भारत सरकार के द्वारा एवं 30 करोड़ रूपये राज्य सरकार के द्वारा उपलब्ध कराये गये है जिसमें से 79.96 करोड रू. निर्माण कार्य हेतु, 49.11 करोड रू में उपकरण, फर्नीचर एवं IT / HMIS हेतु, 13.93 करोड रू. में सर्विसेस (CCSD, MOTS, MGPS) एवं 7.00 करोड रू. Contingency and Construction पर व्यय किये जावेंगे । इस ब्लॉक में नियोनेटेल वेंटीलेटर,

पीडियाट्रिक ब्रोंकोस्कोप, पीडियाट्रिक लेप्रोस्कोपिक इंस्टुमेंट, इंट्राऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड मशीन इत्यादि जैसे उपकरण होंगे। वार्ड के 06 ऑपरेशन थियोटर एवं 03 आई. सी. यू. के साथ 175 बिस्तर वाले इस ब्लॉक में मरीज एवं उनके परिजनों के लिए केफिटेरिया के द्वारा भोजन की सुविधा रहेगी । सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ग्वालियर के निर्माण का कार्य 80 प्रतिशत पूर्ण हो चुका हैं। यह सुविधा 15 अगस्त 2018 या उसके पूर्व ग्वालियर एवं आसपास के सभी जिलों के निवासियों को इलाज केलिये बाहर नही जाना पड़ेगा।